गर्मी की गाड़ी

ऐसी आई रे
गर्मी की गाड़ी भाई रे
डिब्बों में आँधी धूल भर
ऐसी आई रे
गर्मी की गाड़ी लाई

सिमटी हुई छायाएँ
झुलसी हुई हवाएँ
सवारियाँ हैं भोर कुम्हलाई

झिलमिला रही है रेत
जैसे पानी भरे खेत
सूखे होंठ लिए घूम रही
प्यास भरमाई
घूम रही प्यास भरमाई

जड़ें पेड़ों की हिलीं हैं
पानी पीने निकली हैं
पानी नदी में नदी की जैसे
आँख भर आई
नदी की जैसे आँख भर आई

ऐसी आई रे
गर्मी की गाड़ी भाई रे

– प्रभात

चित्रः कनक

तुम भी बनाओ

नाचने वाला बन्दर

धागे की एक खाली गिट्टी, एक पतली और आसानी से मुड़ सकने वाली डण्डी, और लगभग 25 सेंटीमीटर लम्बे धागे के दो टुकड़े, कार्डशीट व रंग।

1. सबसे पहले धागे की गिट्टी में दो छेद कर लो एक के नीचे एक। छेद गिट्टी के बिलकुल बीचों-बीच मत करना।

1

2. दोनों छेदों में से एक-एक धागा पिरो दो।

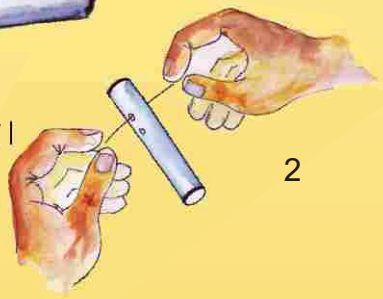

2

3. छड़ी को अँग्रेज़ी के यू आकार में मोड़ लो। दोनों धागों के एक-एक सिरे को छड़ी के एक सिरे से व बाकी दोनों सिरों को छड़ी के दूसरे सिरे से बाँध लो। ध्यान रहे कि गिट्टी का लम्बा वाला हिस्सा ऊपर की ओर व छेद वाला सिरा नीचे रहे।

3

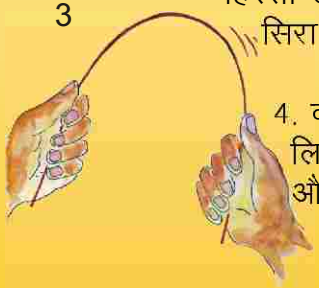

4. कार्डशीट से काटकर गिट्टी के लिए चेहरा व हाथ आदि बना लो और उसे गिट्टी पर चिपका लो।

चित्रः जितेन्द्र ठाकुर

4